वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 300 | मंगलवार 27 फरवरी 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

क्लाइमेट चेंज एक चुनौती है, प्लेनेट को इससे बचाने के लिए चुनौतियों से लड़ना होगा

रिस्पांसिबल टूरिज्म में राजस्थान अग्रणी प्रदेश बनने के लिए कार्य कर रहा है: उप मुख्यमंत्री, दिया कुमारी

जयपुर. शाबाश इंडिया

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा है कि क्लाइमेट चेंज एक चुनौती है इससे प्लेनेट को बचाने के लिए हमें युद्ध की तरह इन चुनौतियों से लड़ना होगा। उन्होंने कहा कि रिस्पांसिबल टूरिज्म में राजस्थान अग्रणी प्रदेश बनने के लिए कार्य कर रहा है। उप मुख्यमंत्री ने पर्यटन विभाग और आउटलुक के समन्वय से सोमवार को इंडियन रिस्पांसिबल टूरिज्म स्टेट सम्मिट एंड अवॉर्ड्स राजस्थान 2023 के सेकंड एडिशन के जयपुर स्थित होटल में आयोजित समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित करते हुए उक्त विचार व्यक्त किए। दिया कुमारी ने संबोधन में कहा कि हमें प्लास्टिक के उपयोग से बचना चाहिए, सोलर एनर्जी की ओर बढ़ना चाहिए, पानी और बिजली बचाने होगी, पर्यावरण को बचाना होगा, ऑर्गेनिक चीजों के उपयोग को बढ़ावा देना होगा और रिसायकल और रियूज पर लक्षित होना होगा तभी हम हमारी धरती मां को बचा सकते हैं। पर्यटन स्थलों पर सभी तरह की सुविधाएं विकसित हो। पर्यटकों को किसी भी तरह की परेशानी न हो, उन्हें संपूर्ण आतिथ्य का भाव की अनुभूति हो यह रिस्पांसिबल टूरिज्म की अवधारणा है। उन्होंने रिस्पांसिबल टूरिज्म को बढ़ाने के लिए सभी मीडिया हाउसों का भी आवाहन किया कि वे बेहतर मीडिया कवरेज अपना योगदान दें। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यटन से जुड़े प्रत्येक मुद्दे को ध्यान में रखते हुए रिस्पांसिबल टूरिज्म स्टेट के रूप में उभरना हमारा लक्ष्य है। उन्होंने पर्यटन से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों के लोगों का स्वागत करते हुए कहा कि आप सब अपने-अपने क्षेत्र में बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि रिस्पांसिबल टूरिज्म अवार्ड के द्वितीय संस्करण में इस बार 400 प्रविष्टियां आई है जो कि पिछले साल 100 ही थी। राजस्थान का रिस्पांसिबल टूरिज्म स्टेट के रूप में उभरने का यह एक बेहतर

दिया कुमारी ने संबोधन में कहा कि हमें प्लास्टिक के उपयोग से बचना चाहिए, सोलर एनर्जी की ओर बढ़ना चाहिए

उदाहरण है, लेकिन इस क्षेत्र में अभी बहुत काम किया जाना बाकी है। जिस पर हम सबको मिलकर काम करना होगा और राज्य को पर्यटन की दृष्टि से सिरमौर बनने के लिए हर बेहतर प्रयास किया जाना है। पर्यटन विभाग की निदेशक डॉ. रश्मि शर्मा ने समारोह में सहभागियों का धन्यवाद दिया और कहा कि आप सब के योगदान से इस तरह के आयोजन कर हम पर्यटन के विकास के लिए लगातार काम करेंगे। उन्होंने जूरी का धन्यवाद दिया कि पारदर्शिता के साथ पुरस्कारों के योग्य प्रतिभगियों चयन किया। इस अवसर पर आउटलुक ग्रुप के सीईओ इंद्रानी रॉय ने कहा कि रिस्पांसिबल पर्यटन आज के समय की जरुरत है। मीडिया को भी इसको बढ़ावा देने के लिए कार्य किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि राजस्थान टूरिज्म ने इस जिम्मेदारी को समझा है और शानदार काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पर्यटन से जुड़ी प्रत्येक छोटे से छोटी चीज का ध्यान रखकर ही रिस्पांसिबल टूरिज्म को आगे बढ़ाया जा सकता है। समारोह में पर्यटन विभाग की संयुक्त निदेशक सुमीता सरोच, पुनीता सिंह, उपनिदेशक दिलीप सिंह, उपेंद्र सिंह शेखावत तथा अन्य वरिष्ठ विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बीच रास्ते में काफिले को रोककर लिया चाय का आनंद

जयपुर. शाबाश इंडिया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को एक कार्यक्रम से लौटते समय बीच रास्ते में रूक कर चाय की थड़ी पर आम आदमी की तरह चाय का आनंद लिया। शर्मा ने थड़ी पर मौजूद लोगों से आत्मीयता से बात की। मुख्यमंत्री की सादगी देखकर लोग अभिभूत हो गए। इस दौरान सांसद रामचरण बोहरा भी मुख्यमंत्री के साथ थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा स्ट्रीट वेंडर को आर्थिक प्रोत्साहन देने के लिए पीएम स्ट्रीट वेंडर आत्मनिर्भर निधि योजना की शुरूआत की गई है। साथ ही, वोकल फॉर लोकल के द्वारा स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा दिया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले भी मुख्यमंत्री लाल बत्ती पर आमजन की तरह ही अपना काफिला रोकने का निर्णय ले चुके है, जिससे आमजन को ट्रैफिक की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े।

युवा रत्न सम्मान से सम्मानित हुए कवि अशोक कुमार यादव

खरसिया रायगढ़. शाबाश इंडिया। काव्य कलश कला एवं साहित्य मंच खरसिया रायगढ़, छत्तीसगढ़ के द्वारा दिनांक 25 फरवरी 2024 को गायत्री मंदिर परिसर में कवि सम्मेलन एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। सम्मेलन में छत्तीसगढ़ के 40 युवा साहित्यकारों एवं कलाकारों को सम्मानित किया गया। सम्मेलन की शुरूआत विद्या की देवी माता सरस्वती गीत, पूजा-अर्चना और स्वागत गीत के साथ हुआ। इस सम्मेलन के मुख्य अतिथि राधेश्याम बघेल, विशिष्ट अतिथि मनमोहन सिंह ठाकुर, अरविंद सोनी सार्थक, राधेश्याम पटेल, अध्यक्ष विनोद डडसेना विनम्र, संयोजन प्रियंका गुप्ता प्रिया, वक्ता गण वेदराम चौहान सदाबहार, हरप्रसाद ढेंढ़े, जमुना प्रसाद चौहान, अनामिका संजय अग्रवाल, राकेश नारायण बंजारे, पुरूषोत्तम प्रसाद गुप्ता थे। मंच संचालन हितेन्द्र पाण्डेय ने किया। इस सम्मेलन में मुंगेली, छत्तीसगढ़ के साहित्यकार-कवि अशोक कुमार यादव जिलाध्यक्ष राष्ट्रीय कवि संगम इकाई, अध्यक्ष यादव समाज सेवा, कला, संस्कृति एवं साहित्य उन्नयन समिति को मोमेंटो, प्रमाण पत्र, कलम और पुष्पगुच्छ भेंट कर काव्य कलश युवा रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया। युवा कवि यादव 2011 से काव्य सृजन कर रहे हैं। इनकी प्रथम हिन्दी एवं छत्तीसगढ़ी पुस्तक युगानुयुग वर्ष 2020 में प्रकाशित हुई।

108 आचार्य गुरुवर विद्यासागर जी महाराज की विद्यांजलि सभा का आयोजन हुआ समवशरण मंदिर कीर्ति स्तंभ पर

नौगामा। परम पूज्य राष्ट्र संत इस युग के अध्यात्म सरोवर के राजहंस, धर्म प्रभावक जिन शासन के उन्नायक, यशस्वी तपस्वी सम्राट वर्तमान के वर्धमान, जन-जन के नायक विश्व वंदनीय, श्रवण संस्कृति के माहसूर्य जैन धर्म के सर्वोच्च महासाधक, श्रवण संस्कृति के महासूर्य धर्म रथ के महा सारथी मुकमाटी महाकाव्य के स्जेता, राष्ट्रहित चिंतक, की उत्कृष्ट समाधि संलेखना पूर्वक होकर मोक्ष रथ पर विराजमान हो गए। आचार्य गुरुवर के चरणों में श्रद्धापूर्वक विनयांजलि अर्पित करने हेतु सकल दिगंबर जैन समाज नौगामा द्वारा 1008 भगवान महावीर समवशरण मंदिर में कीर्ति स्तंभ पर विद्यांजलि सभा का आयोजन सर्व समाज के सानिध्य में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कुसुम लता नानावटी द्वारा मंगलाचरण के साथ हुआ। सर्व समाज से पधारे हुए ताजेग पाटीदार, सुरेश व्यास, लालजी पाटीदार, पाटीदार समाज अध्यक्ष गोविंद पाटीदार, नाथूलाल द्विवेदी, पंचाल समाज से रघुनाथ , दर्जी समाज से शंभू लाल, भाजपा मंडल अध्यक्ष ताजेग पाटीदार पिंडरमा एवं एवं प्रतिष्ठित श्रेष्ठि जनों के सानिध्य में कीर्ति स्तंभ पर आचार्य गुरुवर विद्यासागर जी महाराज के तस्वीर के सामने दीप प्रज्वलितकर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर जैन पाठशाला के छात्रों ने एवं नवयुवक मंडल अध्यक्ष मुकेश गांधी, दानमल गांधी, आशीष पिंडारमियां, सुधीर पाटीदार, अतुल पंचोली गांधी ने आचार्य श्री पर अपने विचार रखें। कार्यक्रम का संचालन भरत पंचोली द्वारा किया गया आभार की रस्म कोषाध्यक्ष रमलाल जैन ने किया। इस अवसर पर महिला मंडल, नवयुवक मंडल, बहू मंडल एवं जैन पाठशाला के छात्र छात्रों द्वारा आचार्य श्री की तस्वीर के सामने एवं कीर्ति स्तंभ पर दीप प्रज्वलित कायम रखा।

संत शिरोमणि जैनाचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराजः डॉक्टर अनामिका पापड़ीवाल

शाबाश इंडिया। हम सबके आराध्य महामनीषी दीर्घकाल संयमी संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महा मुनिराज के उत्कृष्ट संलेखना के साथ समतापूर्वक समाधि मरण पर संपूर्ण भारतवर्ष में ही नहीं बल्कि विदेशों में भी विनयांजलि सभा का आयोजन किया गया। यह सत्य है कि हमेशा हमें रास्ता दिखाने वाली आवाज, मूक माटी की रचना करने वाली वाणी आज स्वयं

मूक है परंतु क्या एक दिन विनयांजलि देने से उनके दिखाएं मार्ग की पूर्ति हो पायेगी। शायद नहीं, महामुनि राज को तो हम वर्तमान के वर्धमान कहते हैं फिर सिर्फ एक दिन उनके लिए काफी कैसे हो सकता है। जरूरी है हर दिन हम पूरे मन वचन कर्म से उनके दिखाएं रास्तों को स्वीकार करने की कोशिश करें। उन्होंने तो मृत्यु को भी महोत्सव बताया है उसका शोक नहीं किया जाता बल्कि स्वीकार किया जाता है। आज के समय की जरूरत है उनके अधूरे कार्यों को पूरा करने की और उनके शुरू किए गए कार्यों की निरंतरता को बनाए रखने की। इसीलिए आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी को सच्ची विनयांजलि तभी होगी - जब हम पूरे मन से सात्विकता के साथ उनके दिखाये मार्ग का थोड़ा सा भी अंश धारण कर लेंगे। जब हम वर्तमान को स्वीकार करने की क्षमता विकसित कर लेंगे। जब हम संयम का पाठ सीखकर अपने मान, माया, मोह, क्रोध और वाणी पर संयम धारण कर लेंगे। जब हम यह स्वीकार कर लेंगे कि संसार में कुछ भी स्थायी नहीं है इसीलिए कभी भी किसी के शोक में डूब कर आज को खोना नहीं है। जब हम अपनी आत्म शक्ति को इतनी मजबूत कर लेंगे की जो नियम ले लिया वह ले लिया यदि उससे किसी को नुकसान ना हो तो पूरे मन वचन से नियम लेकर संयम के साथ स्वयं की ही परीक्षा लेकर उसमें सफल हो जाएंगे।

वेद ज्ञान

दुनिया में रहे हमारे सिद्धांत की विरासत

सिद्धांत शब्द का संधि विच्छेद है सिद्ध-अंत। सार्वजनिक व सार्वभौमिक कल्याण कामना से जो भाव-विचार सिद्ध हों या जिस भाव-विचार की सिद्धि लोक-कल्याण के लिए कार्यरूप में हो, वही सिद्धांत कहलाता है। व्यक्ति, समाज, राष्ट्र और समुदाय की सुख-शांति के लिए एक विचार प्रकट होता है। इस विचार में यदि वास्तव में सर्वसुख-शांति की शक्ति है और व्यावहारिक बनने पर यह विचार अपनी वैचारिक श्रेष्ठता बनाए रख सकता है तो यह सिद्धांत में बदल जाता है। इसी प्रकार के अनेक विचार अपनी-अपनी वैचारिकता और व्यावहारिकता के सामंजस्य से मानव उत्थान में जो योगदान देते हैं, उसी आधार पर वे सिद्धांत बनते हैं। चूंकि मानवीय जीवन चाहे-अनचाहे उत्तरोत्तर कल्याण, विकास की ही कामना रखता है इसीलिए सार्वभौमिक कल्याणकारी विचार और व्यवहार के फलस्वरूप जो सामाजिक सूचना प्रसारित होती है, वह धीरे-धीरे सर्वस्वीकार्य हो जाती है। इस तरह एक सिद्धांत उत्पन्न होता है। समझदार और प्रौढ़ व्यक्ति के जीवन में कुछ न कुछ सिद्धांत अवश्य होते हैं। सिद्धांत से तात्पर्य दैनिक वस्तुओं के उपभोग के नियम में बंधने से नहीं है। मनुष्य के भाव-विचार वास्तविक संसार के विषयों से अलग होकर व्यक्तिगत चेतना से संचालित होने चाहिए। ऐसा होने पर विषयों के प्रति आत्मिक दृष्टिकोण बनने लगता है। इसके बाद दुनियावी पूर्वग्रह एक नई विचार-छलनी से छलने लगते हैं और इसमें से निकलकर जो नव-विचार व्यक्ति को उचित लगते हैं, वे सिद्धांतों का रूप ग्रहण करते हैं। प्रत्येक विचार परोपकार की भावना से पोषित होना चाहिए। इस उपक्रम से सैद्धांतिक वातावरण बनने लगता है। मनुष्य अपने इष्टतम ज्ञान को पहचाने। यह तभी संभव है, जब उसके ज्ञान के सिद्धांत निर्धारित हों। इस दुनिया में सभी का जीवन निर्धारित समय तक ही है। यदि कोई अपनी मृत्यु के बाद इस संसार में कुछ छोड़ जाता है, तो वे उसके मौलिक व मानवीय सिद्धांत ही होते हैं। आध्यात्मिक दृष्टिकोण अपनाकर आसानी से समझा जा सकता है कि जीवन के बाद भी हमारी पहचान हमारे सकारात्मक और जीवन से संबंधित सिद्धांतों के बल पर ही हो सकती है।

संपादकीय

छात्रों के भविष्य के साथ खेल...

प्रतियोगी परीक्षाओं में धांधली रोकने के तमाम उपाय नकल के धंधेबाजों के आगे विफल नजर आते हैं। अब उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती की परीक्षा में नकल कराने वालों ने सेंधमारी कर ली। आखिरकार सरकार को परीक्षा रद्द करनी पड़ी। पर्चा बाहर होने से परीक्षार्थी नाराज थे, विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। उत्तर प्रदेश सरकार ने उन्हें भरोसा दिलाया है कि छह महीने के भीतर दुबारा परीक्षा कराई जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा है कि परीक्षाओं में शुचिता से कोई समझौता नहीं किया जा सकता। युवाओं की मेहनत के साथ खिलवाड़ करने वाले किसी भी दशा में बख्शे नहीं जाएंगे। इस सेंधमारी की जांच विशेष कार्यबल को सौंप दी गई है। हालांकि कुछ परीक्षा केंद्रों से ऐसे लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है, जो पर्चा हल कर भीतर भेज रहे थे। मगर हर बार की तरह यह सवाल अनुत्तरित ही रह जाता है कि आखिर प्रतियोगी परीक्षा का प्रश्नपत्र बाहर हुआ कैसे। आजकल ज्यादातर परीक्षाएं चाक-चौबंद कंप्यूटर केंद्रों पर होने लगी हैं। जो परीक्षाएं इस तरह नहीं होतीं, उनमें प्रश्न पत्र और उत्तर पुस्तिकाएं रखने की जगहों तथा परीक्षा केंद्रों पर सख्त निगरानी रखी जाती है। मगर विचित्र है कि उत्तर प्रदेश पुलिस खुद पुलिस भर्ती परीक्षा के प्रश्नपत्रों की सुरक्षा नहीं कर पाई। यह कोई पहली प्रतियोगी परीक्षा नहीं है, जिसके पर्चे परीक्षा शुरू होने से पहले बाहर आ गए। अब तो जैसे यह सिलसिला-सा बन चुका है कि जब भी कोई प्रतियोगी परीक्षा होती है, उसमें नकल कराने वाले सेंध लगाने का उपाय तलाश ही लेते हैं। हर राज्य इस समस्या से ग्रस्त है। यहां तक कि जो परीक्षाएं कंप्यूरीकृत प्रणाली से होती हैं, उनमें भी ऐसी गड़बड़ी देखी गई है। अंदाजा लगाया जा सकता है कि इस तरह परीक्षा रद्द होने से विद्यार्थियों को कितनी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। न केवल परीक्षा की तैयारी में लगी उनकी मेहनत बर्बाद जाती है, बल्कि बहुत सारे विद्यार्थी तो जैसे-तैसे जुगाड़ करके परीक्षा का शुल्क अदा करते और फिर परीक्षा केंद्रों तक आने-जाने का बंदोबस्त करते हैं। इनमें हजारों ऐसे छात्र होते हैं तो जमीन, जेवर वगैरह गिरवी रखकर परीक्षा के लिए पैसे का इंतजाम करते हैं। पुलिस भर्ती के लिए महीनों वर्जिश करके खुद को तैयार करते हैं। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती में पचास हजार पदों के लिए करीब पचास लाख युवाओं ने आवेदन किया था। हालांकि राज्य सरकार ने परीक्षार्थियों से दुबारा आवेदन शुल्क न लेने और परीक्षा के लिए राज्य परिवहन की बसों में निशुल्क यात्रा की सुविधा देने का वादा किया है। मगर नकल माफिया के सक्रिय रहते परीक्षा में पारदर्शिता का भरोसा कैसे किया जा सकता है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

छुट्टा जानवर!

आवारा पशुओं की वजह से फसलों और अन्य चीजों की बर्बादी को लेकर पिछले कई सालों से लगातार शिकायतें आती रही हैं। मगर इस बीच छुट्टा जानवरों के हमलों में लोगों की जान जाने की घटनाएं गंभीर चिंता का विषय बन गई हैं। खबर के मुताबिक दक्षिण दिल्ली के खानपुर इलाके में अपने बेटे को स्कूल बस के लिए छोड़ने सड़क पर खड़े एक व्यक्ति पर आवारा घूम रहे सांड़ ने हमला कर दिया। उससे उसकी मौत हो गई। दिल्ली में इस तरह की घटना कोई नई नहीं है। मगर अब तक ऐसा कोई प्रभावी कदम नजर नहीं आता, जो ऐसी घटनाओं को रोक सके। लगता है कि इस गहराती समस्या पर काबू पाने के लिए सरकार की ओर से ऐसे उपायों को लेकर गहरी उदासीनता छाई हुई है। नतीजतन, आए दिन सड़क पर छुट्टा घूमते सांड़ या गाय जैसे पशुओं के अचानक किसी को टक्कर मार देने की वजह से लोगों की जान जा रही है। वाहनों से जानवरों के टकराने के कारण भी गंभीर हादसे होते हैं। इसके अलावा, कुत्तों के हमले या काटने से लोगों की जान जाने की घटनाएं भी सामने आती रहती हैं। विचित्र है कि अगर कोई व्यक्ति सड़क पर गलत जगह वाहन खड़ा कर दे या किसी नियम का उल्लंघन करे तो वाहन उठाने या जुमार्ना वसूलने से लेकर संबंधित धाराओं के तहत कानूनी कार्रवाई की जाती है और संबंधित महकमे सक्रिय रहते हैं। मगर किसी रास्ते से गुजरते हुए कहीं बीच सड़क पर बैठे या आते-जाते पशुओं को आम देखा जा सकता है और उन्हें हटाने वाला कोई नहीं होता। वाहन चालक या अन्य लोग अपने को बचाते हुए किसी तरह वहां से आगे निकलने की कोशिश करते हैं। कुछ लोग आवारा पशुओं को लेकर भावुक होते हैं, जो एक मानवीय गुण हो सकता है। मगर उससे पशुओं के स्वभाव में आई तब्दीली की जिम्मेदारी कोई नहीं उठाता।

सड़क पर लावारिस गायों की देखभाल के लिए गौशालाओं की व्यवस्था एक हल है, लेकिन इसमें सांड़ और कुत्ते आदि आवारा पशुओं से उपजी समस्या बनी रहती है। देश के अलग-अलग इलाकों में सड़कों पर बड़ी तादाद में घूमते पशु यही दर्शाते हैं कि इसे गंभीर समस्या के रूप में चिह्नित करना शायद बाकी है।

卐 श्री पद्मप्रभ जिनेन्द्राय नमः 卐

श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पदमपुरा (बाड़ा), जयपुर

मोक्षकल्याणक एवं महामस्तकाभिषेक महोत्सव

मूलनायक श्री 1008 पद्मप्रभ भगवान

नवीन पद्मकमल जिनालय

बुधवार, दिनांक 28 फरवरी 2024
(मिती फाल्गुन कृष्ण चतुर्थी संवत 2080)

धर्मानुरागी महानुभावों,

सादर जय जिनेन्द्र !

श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पदमपुरा (बाड़ा), जयपुर में भगवान पदमप्रभु का "मोक्षकल्याणक एवं भव्य महा-मस्तकाभिषेक महोत्सव" बुधवार, दिनांक 28 फरवरी 2024 को आयोजित किया जा रहा हैं। इस अवसर पर निर्वाण लड्डू चढ़ाये जाने एवं अन्य कार्यक्रमों के अतिरिक्त मूलनायक प्रतिमाजी के अभिषेक, विशाल खड्गसान प्रतिमाजी के पंचामृत महामस्तकाभिषेक किये जायेंगे।

उपरोक्त सभी कार्यक्रमों में सपरिवार इष्टमित्रों सहित सम्मिलित होकर पुण्यार्जन कर धर्मलाभ प्राप्त करें।

निर्वाण लाडू एवं विशाल खड्गासन प्रतिमाजी के पंचामृत महामस्तकाभिषेक

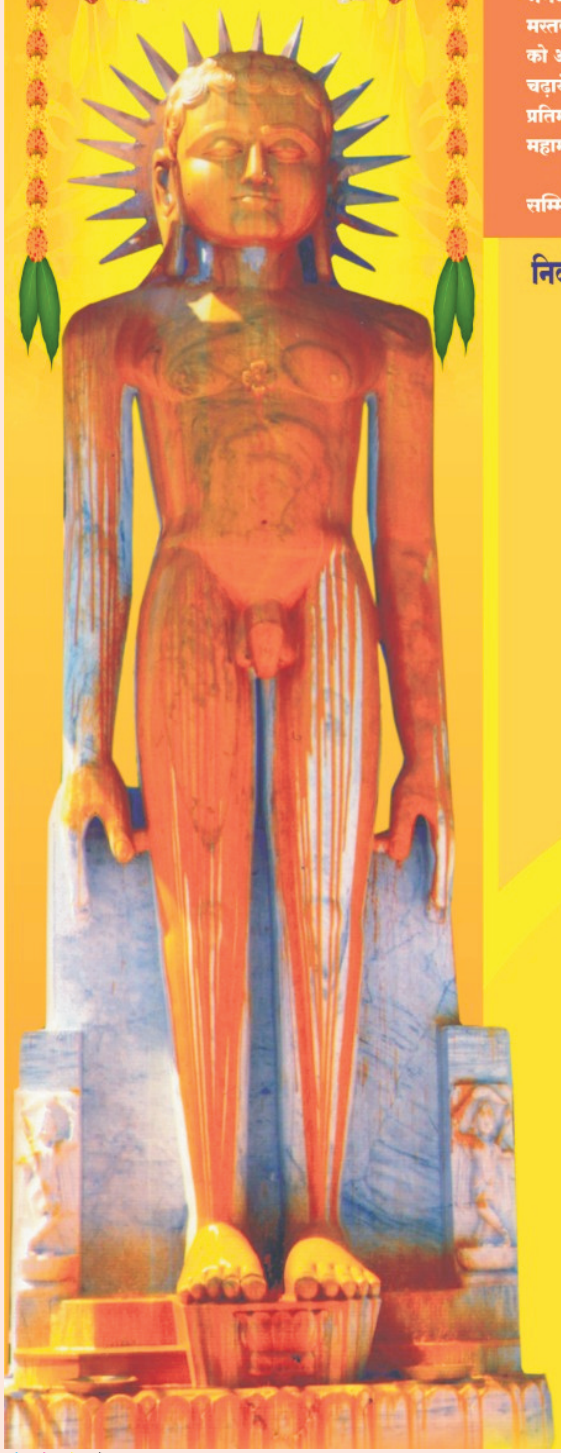

वात्सल्य आमंत्रण

मांगलिक कार्यक्रम

बुधवार, दिनांक 28 फरवरी 2024

प्रातः 7.30 बजे	:	मूलनायक भगवान पदमप्रभ जी के विशेषाभिषेक
प्रातः 8.00 बजे	:	निर्वाण पूजन
प्रातः 9.00 बजे	:	मोक्षकल्याण निर्वाण लाडू
प्रातः 10.15 बजे	:	भगवान पदमप्रभ की विशाल खड्गासन प्रतिमा जी के पंचामृत भव्य महामस्तकाभिषेक

संरक्षक : श्री रूपचन्द जी कटारिया, श्री भागचन्द जी टोंग्या, श्री ज्ञानचन्द जी झांझरी, श्री राजेन्द्र के. शेखर, न्यायाधिपति श्री नरेन्द्र कुमार जी काला,

सुधीर कुमार जैन अध्यक्ष	नेमीचन्द गंगवाल उपाध्यक्ष	सुरेशचन्द काला उपाध्यक्ष	सुरेन्द्र जैन पाण्ड्या उपाध्यक्ष
महावीर कुमार अजमेरा उपाध्यक्ष	हेमन्त सौगानी मानद मंत्री	जितेन्द्र मोहन जैन संयुक्त मंत्री	राजकुमार कोठ्यारी कोषाध्यक्ष

पदमपुरा कार्यालय
मो. 9057903365

मंत्री कार्यालय
एच-24, चितरंजन मार्ग
सी-स्कीम, जयपुर-302001
मो. 9829064506

सदस्य :
प्रवीणचन्द कासलीवाल, महावीर प्रसाद पहाड़िया, हरीशचन्द धाडूका
अनिल कुमार जैन, संतोष जैन रांवका,
डॉ. ज्ञानचन्द जैन (सोगानी), डॉ. विमल कुमार जैन, सुभाष जैन पाटनी,
चौथमल भौंसा बड़जात्या, गोविन्द जैन, नगेन्द्र कुमार जैन,
प्रेमचन्द छाबड़ा, महेन्द्र कुमार अनोपड़ा, कैलाशचन्द सोगानी,
राजेश गंगवाल, राजकुमार सेठी, नरेन्द्र कुमार जैन पाण्ड्या

क्षेत्र कार्यालय
पोस्ट-पद्मपुरा (बाड़ा)
जिला-जयपुर
मो. 9057903365

प्रबन्ध समिति श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पदमपुरा जयपुर (राज.)

देव-शास्त्र-गुरु का विनय करते हुए पत्रिका को पढ़कर अपने समीपस्थ जिनालय में उचित स्थान पर लगावें।

मुद्रक : राजू ग्राफिक आर्ट (संदीप शाह) जयपुर मो. 9829050791, Email : rajugraphicart@gmail.com

श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान, सांगानेर मे सन्त शिरोमणी आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज के समाधि के अवसर पर विनयांजली सभा का आयोजन

इस मौके पर संस्थान के अधिष्ठाता डॉ. जयकुमार जैन ने आचार्य श्री के द्वारा प्रदत्त शिक्षाओं का वर्णन करते हुए जीवन में उनकी उपयोगिता पर प्रकाश डाला। संस्थान के निदेशक डॉ. शीतलचन्द जैन ने कहा कि आचार्य श्री के द्वारा निष्पादित ग्रंथों को पाठ्यक्रम में शामिल करना चाहिये एवं उनके पठन पाठन की उचित व्यवस्था बनानी चाहिये व उनके ग्रंथों को विश्वविद्यालय में शोध के लिये रखना चाहिये ।

शाबाश इंडिया

पूज्य आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के आशीर्वाद एवं पूज्य मुनिश्री सुधासागर जी महाराज की प्रेरणा से संचालित श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान, सांगानेर में परम पूज्य सन्त शिरोमणी आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज ने दिनांक 17.02.2024 को समता पूर्वक समाधि के प्रसंग पर दिनांक 25.02.2024 को संस्थान परिसर में गुणानुवाद सभा का आयोजन किया गया। सभा में संस्थान के बालक एवं बालिकाओं के साथ समाज के प्रबुद्धजनों ने आचार्य श्री के व्यक्तिव एवं कृतित्व को याद करते हुए अंतःकरण से विनयांजली दी। इस मौके पर संस्थान के अधिष्ठाता डॉ. जयकुमार जैन ने आचार्य श्री के द्वारा प्रदत्त शिक्षाओं का वर्णन करते हुए जीवन में उनकी उपयोगिता पर प्रकाश डाला। संस्थान के निदेशक डॉ. शीतलचन्द जैन ने कहा कि आचार्य श्री के द्वारा निष्पादित ग्रंथों को पाठ्यक्रम में शामिल करना चाहिये एवं उनके पठन पाठन की उचित व्यवस्था बनानी चाहिये व उनके ग्रंथों को विश्वविद्यालय में शोध के लिये रखना चाहिये । शीला डोड्या ने बताया कि नारी शिक्षा के लिये आचार्य श्री ने प्रतिभास्थलीयों का उपहार समाज को प्रदान किया है। कार्याध्यक्ष प्रमोद पहाडिया ने आचार्य श्री के आशीर्वाद से संचालित उपक्रमों हथकरघा, अस्पताल, गौशाला के संरक्षण के महत्त्व को बताया। सभा में संस्थान के अधिष्ठाता डॉ. जयकुमार जैन, अधिष्ठात्री शीला डोड्या, निदेशक डॉ. शीतलचन्द जैन, कार्याध्यक्ष प्रमोद जैन पहाडिया, मंत्री सुरेश कुमार जैन, संयुक्त मंत्री दर्शन जैन बस्सीवाला, ज्ञानचन्द झांझरी, शैलेन्द्र गोधा, संजय पाण्ड्या, मुकेश बैनाडा, प्राचार्य अरूण कुमार जैन, नीना पहाडिया सहित समस्त प्रबन्धकारिणी समिति, सन्त श्री सुधासागर आवासीय कन्या महाविद्यालय की बालिकाएँ तथा आचार्य ज्ञानसागर महाविद्यालय के समस्त छात्रों के साथ समाज की संस्थाओं के प्रतिनिधि व अन्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारम्भ मंगलाचरण के माध्यम से आचार्य ज्ञानसागर महाविद्यालय एवं छात्रावास के छात्रों द्वारा किया गया। 36 दीपकों को प्रज्ज्वलित करके आचार्य श्री मूलगुणों को नमन करते हुए महामंत्र णमोकार का पाठ किया गया। कार्यक्रम के अन्त में विशाल जनसमूह के साथ रैली निकाली गई।

तप त्याग और साधना की मूर्ति थे विद्या सागर जी महा मुनिराज

जो वास्तव में अनेकानेक विद्याओं के महासागर थे। आत्मीय भाव भीनी विन्यांजली

पारस जैन पार्श्वमणि
पत्रकार कोटा की कलम से

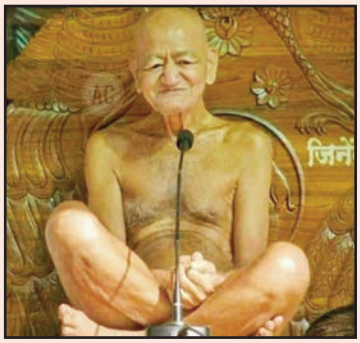

भारत वसुंधरा पर समय समय अनेकानेक दिव्य महान आत्माओं ने जन्म लेकर भारत की संस्कृति और उसके मूल्यों को चार चांद लगाए। संसार शरीर और भोगों को छोड़कर संयम को धारण कर नर से नारायण बनने का मार्ग प्रशस्त किया है। संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्या सागर जी महाराज का अभी हाल ही में 17 फरवरी 2024 की रात को महाप्रयाण अनेकानेक दिगंबर जैन संतो के पावन सानिध्य में समाधि के साथ चंद्रगिरी तीर्थ डोंगरगढ़ छत्तीसगढ़ में हो गया है। जहां त्याग तपस्या संयम शील की बहती निर्मल धारा वो विद्या गुरु हमारा। अंजुली भर लेते है सागर भर देते है विष को अमृत और पतित को पावन कर देते है।धरती बिछोना है आसमान ओढ़ना है संयम तप त्याग और साधना जिनका गहना है ऐसे परम दिगंबर संत के बारे क्या कहना है। जी हां भले ही आचार्य विद्या सागर जी महा मुनिराज का शरीर प्रत्यक्ष रूप से हमारे सामने नहीं है परंतु उनका विराट व्यक्तित्व सदैव सम्पूर्ण मानव जाति के मन मस्तिष्क पर छाया रहेगा। राणा, प्रताप, मीरा, हाड़ी, रानी पन्ना धाय के तप त्याग और साधना की परम पवित्र पावन राजस्थान की मिट्टी में वो पुण्य शाली तत्व विद्यमान है कि इस मिट्टी ने हजारों किलोमीटर दूर स्थित कर्नाटक के सदलगा से विद्याधर को अपनी ओर खींच लिया। राजस्थान की मिट्टी का मान बढ़ाया है। मैं पारस जैन पार्श्वमणि पत्रकार कोटा जब जब भी बुंदेलखंड के धार्मिक आयोजनों में मंच संचालन के लिए जाता हूं तब एक ही बात कहता हूं कि हम राजस्थान के वासी है हम बीज बोने अर्थात डालने में विश्वास रखते है। पल्लवित करने के बाद, फल तो दूसरो को खिलाते है। परम पूज्य आचार्य श्री विद्या सागर जी महाराज का संपूर्ण जीवन काल बुंदेलखंड के अतिशय क्षेत्रो व तीर्थ क्षेत्रो एवम नगरों में प्रवास व चातुर्मास के साथ अभूतपूर्व धर्म प्रभावना के साथ निकला है। राजस्थान में उनका प्रवास बहुत ही कम रहा है। आचार्य गुरु श्री ज्ञान सागर जी महाराज के पास जब विद्याधर लंबी यात्रा करके पहुंचे है तब गुरु श्री ज्ञान सागर जी उनका नाम पूछते है, तब वो अपना नाम विद्याधर बताते है । विद्याधर ने आचार्य श्री को अपना शिष्य बनने की बोलते है तो गुरु श्री ज्ञान सागर महाराज जी कहते है कि तुम विद्याधर हो और विद्या लेकर कही उड़ तो नहीं जाओगे। अर्थात दूर तो नही चले जाओगे। तब विद्याधर उसी क्षण आजीवन वाहनों का त्याग कर देते है। तब उनकी अटूट श्रद्धा, लगन व समर्पण देख गुरु जी उनकी तरफ निहारने लगते है । अपने समय में गुरु ज्ञान सागर जी ने अपना आचार्य पद विद्या सागर जी को देने का प्रयास किया तो विद्या सागर जी महाराज ने आचार्य पद लेने से साफ मना कर दिया। तब गुरु ज्ञान सागर महाराज जी ने सोचा कि ये ऐसे पद नहीं लेंगे। तब गुरु ज्ञान सागर जी महाराज ने गुरु दक्षिणा मांगी तो विद्याधर निरुत्तर हो गए। इस तरह गुरु ज्ञान सागर जी महाराज ने अपना आचार्य पद श्री विद्या सागर जी महाराज को प्रदान किया। जो सेवा आचार्य श्री विद्या सागर महाराज ने गुरु ज्ञान सागर महाराज की वो शब्दो में कदापि नहीं लिखी जा सकती। विद्या सागर जी महाराज के द्वारा दिक्षित 500 से अधिक दिगंबर जैन मुनि, आर्यिका, ब्रह्मचारी भाई, बहनों, त्यागी- वृति शिष्य भारत की वसुंधरा पर श्रमण परंपरा को अनंत अनंत ऊचाइया प्रदान करेंगे। इसमें कोई संदेह नही है। एक बात बड़ी गौर करने वाली है कि उनके समस्त शिष्य यथा नाम तथा गुण वाले है। वास्तव में आचार्य श्री विद्या सागर जी महा मुनिराज अनेकानेक विद्याओ के महासागर से कम नहीं थे।उन्होंने कई जगह प्रतिभा स्थल बनाए जिसमें जैन, अजैन समाज की बालिकाएं धार्मिक संस्कारो के साथ- साथ लौकिक शिक्षा भी ग्रहण कर रही है। हथकरघा

उद्योग विभिन्न स्थान व जेलों में चल रहे है। जहां से सभी की हर महीना हजारों रुपए की आय हो रही है। विभिन्न जगहों पर गोशालाएं चल रही है। कुंडलपुर बड़े बाबा को छोटे मंदिर से बड़े विराट मंदिर में विराजमान करने की आपकी योजना सर्व विदित है। उसके बारे में क्या लिखूं जितना लिखूं कम लगेगा। आचार्य श्री विद्या सागर जी महाराज के परम पुनीत हाथ लगते ही बड़े बाबा फूलों की तरह उठ कर विशाल नवीन मंदिर में विराज मान हो गए। इंडिया नहीं भारत बोले का नारा दिया। आपके द्वारा लिखा गया साहित्य लोगो के जीवन को जीवंत कर रहा है। आपके द्वारा लिखित मूकमाटी महाकाव्य सर्वाधिक लोकप्रिय है, वास्तव में व्यक्ति चला जाता है परंतु व्यक्ति का व्यक्तित्व सदैव अजर अमर रहता है। अन्त में गुरु चरणों में नमन करता हुआ यही भावना भाता हूं कि जब भी जीवन की अंतिम सांस निकले समाधि के साथ निकले। आपके पावन चरणों में नमन नमन नमन।

संत शिरोमणि आचार्यश्री विद्यासागर जी महाराज के गुणानुवाद विनयांजलि सभा का आयोजन

प्रकाश पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। नगर परिषद स्थित सभागार टाउन हॉल में 25 फरवरी को दोपहर 1:00 बजे सेवा ग्रुप भीलवाड़ा के सौजन्य से सकल दिगंबर जैन समाज द्वारा समतापूर्वक सल्लेखना समाधिस्थ संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर महाराज के संदर्भ में अंतर्राष्ट्रीय सामूहिक विनयांजलि सभा आयोजित की गई। जिसमें हजारों की संख्या में सभागार जनसमुदाय से खचा-खच भरा हुआ था। रात्रि 7:30 बजे श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर ट्रस्ट के तत्वावधान में श्री विद्यासागर सर्कल पथिक नगर कीर्ति स्तंभ स्थल पर सामूहिक रूप से दीप प्रज्वलन कर आचार्य श्री विद्यासागर महाराज गुरुदेव की 1008 दीपों से महाआरती की। प्रारंभ में सुभाष बहेडिया सांसद, अशोक कोठारी विधायक, लक्ष्मीनारायण डाड, राकेश पाठक सभापति नगरपरिषद, प्रशांत मेवाड़ा एवं सेवा ग्रुप के सदस्यों ने दीप प्रज्वलन किया। पंकज जैन ने सुरीली आवाज में आचार्य श्री का गुणानुवाद गीतों द्वारा किया। शालिनी जैन ने आचार्यश्री के जीवन पर आधारित सुंदर काव्य पाठ किया। इस उपरांत जयकुमार पाटनी ने सभा का संचालन करते हुए आचार्यश्री के जीवन यात्रा पर आधारित तप- साधना के द्वारा

मोक्ष मार्ग की ओर जाने का संदेश बताया। सुनील सेठी ने आचार्यश्री को पूरे ब्रह्मांड का राष्ट्र संत बताया। अरविंद अजमेरा ने कहां की आचार्यश्री ने समाज सुधार के साथ आध्यात्मिक की नई राह दिखाई। लक्ष्मीकांत जैन ने कहा कि देश के समस्त जैन समाज का चंद्र चला गया। श्रमण संस्कृति, श्री कुंदकुंदाचार्य देव की प्रतिमूर्ति थी। प्रवीण चौधरी ने कहा कि सारे विश्व में विद्यासागर महाराज को सर्वश्रेष्ठ संत स्वीकार किया। पंचम काल में ऐसे उत्कृष्ट चर्याओ को हम- सबको देखने को मिला। लोकेश अजमेरा ने कहा कि आचार्यश्री की उत्तम सल्लेखनापूर्वक समाधि हुई, उसका कोई प्रचार नहीं किया गया। ऐसी समाधि इतिहास में कहां भी उल्लेख नहीं है। सुरेंद्र छाबड़ा ने विद्यासागर जी महाराज को एक अवतार बताया। उनके नाम से विद्यासागर रोगी वाहन चालू करने की घोषणा की। विजय पापड़ीवाल, सोहनलाल गंगवाल ने कहा कि अहिंसा का देश भर में डंका बजाया है व सभी का कल्याण किया है। सुकमाल चौधरी ने कहा कि आचार्यश्री की उत्तम समाधि से संपूर्ण देश अनाथ हो गया। विवेक बाकलीवाल व सुशील शाह ने कहा कि आचार्य श्री जिंदगी भर हमारे आस्था में रहेंगे। सुभाष बहेडिया सांसद ने कहा कि आचार्यश्री जन-जन को त्याग का मार्ग बताया। अशोक कोठारी विधायक ने कहा कि उन्होंने प्राणी मात्र के कल्याण का मार्ग बताया। उनकी प्रेरणा को अपने जीवन में ले। लक्ष्मीनारायण डाड ने कहा कि जैसा उनका नाम है वैसा ही उनके गुण हैं, ज्ञान के सागर। सभी विकारों पर विजय पाकर अरिहंत के समान हुए। पंकज जैन ने श्री विद्यासागर जी महाराज के गुणानुवाद से भक्ति भरा गीत की सुंदर प्रस्तुति दी जिसे दर्शकों ने सुनकर भाव विभोर हुए। इस अवसर पर ऋषभ निवयुवक मंडल चंद्रशेखर आजाद नगर ने आचार्यश्री विद्यासागर जैन संस्कार पाठशाला चालू करने हेतु पोस्टर का विमोचन किया गया।

आचार्यश्री विद्यासागर जी की समाधि उपरांत आयोजित हुई विशाल सर्वधर्म विनयांजलि सभा

आर्यकारत्न श्री सृष्टिभूषण माताजी एवं श्री विश्वमति माताजी का रहा मंगल सानिध्य में राज्यमंत्री श्री दिलीप अहिरवार, विधायक ललिता यादव सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने दी विनयांजलि

अरविन्द जैन छतरपुर।
राजेश जैन रागी बकस्वाहा. शाबाश इंडिया

छतरपुर। प्रख्यात जैनाचार्य आचार्यश्री विद्यासागर जी महाराज की 18 फरवरी 24 को हुए समतापूर्वक समाधिमरण के पश्चात जैन समाज छतरपुर द्वारा एक सर्वधर्म विनयांजलि सभा का आयोजन आर्यिकारत्न श्री सृष्टिभूषण माताजी एवं आर्यिकारत्न श्री विश्वमति माताजी एवं ब्रह्मचारी विनोद भैया जी के आध्यात्मिक सानिध्य में पुरानी तहसील परिसर में भव्यता और गरिमा के साथ किया गया। जैन समाज के प्रो. सुमति प्रकाश जैन एवं श्री पंकज कुमार जैन 'महर्षि' ने विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम में वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री श्री दिलीप अहिरवार ने आचार्यश्री की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर अपनी विनयांजलि अर्पित कर नमन किया, तो वही विधायक श्रीमती ललिता यादव द्वारा विनयांजलि अर्पित करते हुए शहर के एक चौराहे का नाम आचार्यश्री के नाम पर रखने व वहां उनकी प्रतिमा स्थापित करने की घोषणा की । ब्रह्मचारी विनोद भैया ने आचार्य श्री के साथ विताये 40 वर्षो के संस्मरणों को सभी के समक्ष रखते हुए उनके मार्गदर्शन में समाज की बेटियों के लिए चलाए जा रहे प्रतिभास्थली, हथकरधा उद्योग, अस्पतालों एवं दयोदय गौशालाओं आदि की चर्चा भी की। इस अवसर पर संगीतकार वैभव जैन की मधुर आवाज ने सभी का दिल जीत लिया एवं संभव बड़कुल द्वारा निर्मित आचार्य श्री के जीवन पर आधारित एक संक्षिप्त फिल्म भी दिखाई गई। वही छोटे छोटे बच्चे आचार्य श्री द्वारा क्रियान्वित किये गए कार्यो को पोस्टरों के माध्यम से प्रसारित करते नजर आए। आर्यिकारत्न श्री सृष्टिभूषण माताजी ने आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के सानिध्य में बिताए समय की स्मृतियों को याद करते हुए अपनी विनयांजलि निवेदित की। कार्यक्रम का सफल संचालन श्री राजेश जैन बड़कुल ने किया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में समाज उपाध्यक्ष अजय जैन 'फट्टा' एवं रितेश जैन, कोषाध्यक्ष जितेंद्र जैन, सह मंत्री अजित जैन का अहम योगदान रहा। समाज की ओर से जैन समाज अध्यक्ष अरुण कुमार जैन 'अन्नू' एवं महामंत्री स्वदेश जैन द्वारा विनयांजलि सभा मे शामिल होने बाले शहर के समस्त प्रबुध्दजनो का आभार व्यक्त किया।

आचार्यश्री को विनयांजलि देने के लिए प्रबुद्धजन हुए शामिल :- कार्यक्रम में वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री श्री दिलीप अहिरवार, विधायक श्रीमती ललिता यादव, नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती ज्योति सुरेन्द्र चौरसिया, जिला भाजपा अध्यक्ष श्री चंद्रभान सिंह गौतम, राष्ट्रीय सेवक संघ के सहा.संघ चालक श्री गुरु प्रसाद अवस्थी, भालचंद्र नातू, भाजपा नेता श्री पुष्पेंद्र प्रताप सिंह, श्री कृष्णा विश्वविद्यालय कुलपति बृजेन्द्र सिंह गौतम,महर्षि विद्या मंदिर प्राचार्य सी के शर्मा, समाज सेवी योग संगठन अध्यक्ष उपेन्द्र सिंह लकी, स्वतंत्रता संग्राम सैनानी उत्तराधिकारी संगठन शंकरलाल सोनी, ब्रम्हकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय बहिन कल्पना जी, गांधी आश्रम दमयंती पाणी, मोटे के हनुमान मंदिर आनन्द शर्मा , साईं

मंदिर केएन सोमन, शासकीय अधिवक्ता पंकज पाठक, वैश्य महासम्मेलन के प्रातीय महामंत्री गोविंद असाटी, आनन्द अग्रवाल, गिरजापाटकर, घोष समाज के कौशल किशोर घोष, सिक्ख समाज अध्यक्ष सर्वजीत सिंह, प्रमुख पेंशनर्स एसोसिएशन ओपी शर्मा, हरप्रसाद अवस्थी, कवि अवनींद्र खरे, कायस्थ समाज पू अध्यक्ष सुरेश बाबू खरे, मुस्लिम समाज मो हनीफ खां, सोनी समाज, अग्रवाल समाज, गहोई समाज, चौरसिया समाज, ब्राम्हण समाज, सिंधी समाज लालचंद लालवानी, व्यवसायी भगवत अग्रवाल, हम फाउडेशन प्रवीण गुप्त, मनीष दोसाज, राकेश लोहिया, राजेश खरे संजू, ब्रह्मकुमारी दीदियां, लीनेस क्लब छतरपुर से चंद्रमुखी चौरसिया, नीलम रावत, बलजीत कौर, पार्षद शिवानी चौरसिया,धीरज मिश्रा, स्मिता जैन सहित पत्रकार बंधु, अनेक सामाजिक, व्यापारिक, राजनैतिक संगठन के पदाधिकारीगण एवं अन्य बुद्धिजीवी वर्ग, जैन समाज के पुरुष, महिलाएं, युवाजन की गरिमामई उपस्थिति रही।

आचार्यश्री विद्यासागरजी महामुनिराज के गुणानुवाद के साथ जय जयकारो के साथ भव्य जुलूस निकला

मनीष पाटनी. शाबाश इंडिया

अजमेर। आचार्य 108 श्री विद्यासागरजी महामुनिराज गुणानुवाद के साथ जय जयकारो के साथ भव्य जुलूस निकला। प्रवक्ता कमल गंगवाल व संजय कुमार जैन ने बताया कि सम्पूर्ण भारतवर्ष में जैन संतो के आहवान पर आज अजमेर में भी दोपहर 12 बजे कीर्ति स्तम्भ अजमेर जहां पर आचार्यश्री की दीक्षा स्थली है वहां आचार्यश्री के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन किया गया । तत्पष्चात वहां से हजारो की तादाद केसरियां वस्त्र में महिलायें व सफेद परिधान में पुरूष वर्ग ध्वजा लेकर आचार्यश्री के -मां का लाल कैसा हो विद्यासागर जैसा हो, संत शिरोमणि आचार्य गुरूवर विद्यासागरजी महाराज की जय हो, जैन धर्म की जय हो के नारो को गुंजायमान करते हुये जुलूस आगरा गेट चौराहा, गणेशजी मंदिर, नया बाजार चौपड, चूडी बाजार, गांधी बाजार, मदार गेट, क्लाक टावर, पान दरिबा, पडाव होते गोल चक्कर केसरगंज स्थित सकल जैन समाज की विनयांजलि सभा में पहुंच कर परिवर्तित हुआ। मुनि 108 श्री सुधासागरजी महाराज के आहवान पर सम्पूर्ण देश में व अजमेर में आचार्य श्री के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन व आरती सभी घरो में की गई। जुलूस में शामिल प्रदीप पाटनी, सुशील बाकलीवाल, उपमहापौर नीरज जैन, ज्ञानोदय तीर्थक्षेत्र के अध्यक्ष मनीष गदिया, मिश्रीलाल गदिया, कमल गंगवाल, बंटी गदिया, संजय कुमार जैन, योगेश बाकलीवाल, सुनील गंगवाल, दीपक जैन पटवा, मनीष गोधा, अतुल पाटनी, श्रेयांस पाटनी, बाबी गदिया,ललित पांड्या राजेश गदिया, अनुराग जैन, विजय पांडया, प्रकाश जैन, मनीष सेठी, पदम सोगानी, सुनील गदिया, नितिन दोसी, मनोज गोधा, मनीष अजमेरा, अनिता पाटनी आदि थे ।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर **'शाबाश इंडिया'** आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

प्लैटिनम प्रीमियर लीग-2024 सम्पन्न

उदयपुर. शाबाश इंडिया। जैन सोशल ग्रुप प्लैटिनम के संस्थापक अध्यक्ष जितेंद्र हरकावत ने बताया कि 5 वे प्लैटिनम प्रीमियर लीग का आयोजन 25 फरवरी 2024 को चावत स्पोर्ट्स एकेडमी में सम्पन्न हुआ। ग्रुप अध्यक्ष विपिन जैन बताया कि प्रतियोगिता में 6 टीमो ने भाग लिया, जिसमे ग्रुप सदस्य और 15 वर्ष से बड़े बच्चों की भागीदारी रही। 6 टीमो के 2 ग्रुप बनाकर उनके बीच मैच कराए गए, सभी टीमो ने 2-2 लीग मैच खेले। दोनो ग्रुप में प्रथम रहने वाली टीम फाइटर पैंथर्स ओर रॉयल चैलेंजर के बीच फाइनल खेला गया, जिसमे फाइटर पैंथर्स ने रॉयल चैलेंजर को 17 रनों से हराकर विजेता ट्रॉफी जीती। प्रतियोगिता में मैन ऑफ द सीरीज रितेष जैन रहे, कपिल जैन को बेस्ट बैट्समेन व आशीष मेहता को बेस्ट बॉलर का खिताब मिला। फाइनल मैच में दिलीप मेहता मैन ऑफ द मैच रहे। प्रतियोगिया का सीधा प्रसारण क्रिक हीरोज पर प्रसारित किया गया जिसका संयोजन मयंक जैन व शुभम जैन ने किया। कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्ष प्रितेश जैन, मुकेश चपलोत उपाध्यक्ष तनुजय किकावत, कोषाध्यक्ष पंकज जैन, सहसचिव लोकेश जैन एवं बोर्ड सदस्य हेमेंद्र जैन व हेमंत सिसोदिया उपस्थित रहे। अंत मे ग्रुप सचिव सुमित खाब्या द्वारा सभी टीमो व खिलाड़ियों का धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

सीए अतिशय जैन खासगीवाला आईसीएआई इंदौर ब्रांच के अध्यक्ष चुने गए

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

इंदौर। चार्टर्ड अकाउंटेंट की 5 हजार सदस्यों वाली और देश में नंबर वन के रूप में पहचानी जाने वाली आईसीएआई की इंदौर ब्रांच के वर्ष 2024 -25 के लिए सीए अतिशय जैन खासगीवाला निर्विरोध अध्यक्ष चुने गए। इस मनोनयन पर इंदौर के सांसद शंकर लालवानी ने खासगीवाला को बधाई देते हुए कहा कि हमारा देश विश्व की सर्वश्रेष्ठ अर्थव्यवस्था बनाने की ओर अग्रसर है और इस लक्ष्य को हासिल करने में सीए का कार्य अहम है। आपने नवनिर्वाचित अध्यक्ष खासगीवाला को बैच लगाकर पदभार भी ग्रहण कराया। इस अवसर पर अपने संबोधन में अध्यक्ष खासगीवाला ने इस वर्ष के लिए अपना विजन प्रस्तुत करते हुए कहा कि समय-समय पर सदस्यों के लिए आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों के अतिरिक्त हमारा लक्ष्य स्कूल और कॉलेज के छात्रों में करियर अवेयरनेस, रोजगार उन्मुख शिक्षा, महिला उद्यमियों और स्टार्टअप को प्रोत्साहन देने पर रहेगा, साथ ही जो युवा सदस्य इंडस्ट्री एवं बिजनेस में सेवाएं दे रहे हैं उनके लिए भी ब्रांच की गतिविधियों से जोड़ने के साथ विशेष कार्यक्रम किए जाएंगे। स्मरणीय है कि नव निर्वाचित अध्यक्ष खासगीवाला तुकोगंज दिगंबर जैन समाज के वरिष्ठ समाजसेवी सीए अशोक जैन खासगीवाला के सुपुत्र हैं और समाज की गतिविधियों में भी अग्रणी रहते हैं। खासगीवाला को सेंट्रल काउंसलिंग मेंबर सीए केमिशा सोनी , सेंट्रल रीजनल काउंसिल मेंबर सीए कीर्ति जोशी, महावीर ट्रस्ट के अध्यक्ष अमित कासलीवाल, समाजसेवी हंसमुख गांधी, वरिष्ठ समाजसेवी आजाद जैन बीड़ी वाले, दिगंबर जैन सामाजिक संसद के मंत्री डॉक्टर जैनेंद्र जैन, सोशल ग्रुप फेडरेशन के मीडिया प्रभारी राजेश जैन दद्दू ,संजीव जैन संजीवनी, टीके वेद, श्रीमती रानी डोशी, श्रीमती मुक्ता जैन आदि ने भी अध्यक्ष बनने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप तीर्थंकर ने बेनाड के दर्शन किए

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप तीर्थंकर के सदस्यों ने जयपुर के मंगलविहार में आचार्य चैत्यसागर जी के सानिध्य में हो रहे पंचकल्याण में नवीन जिनप्रतिमाओं का दर्शन लाभ लेकर पुण्यार्जन किया और आचार्यश्री का आशीर्वाद प्राप्त किया । मौका था तीर्थंकर ग्रुप की बैनाड मीटिंग का । ग्रुप की बस सदस्यों को पंचकल्याण कार्यक्रम को दिखाकर बैनाड तीर्थक्षेत्र पहुंची। बैनाड में सभी ने क्षेत्र के सभी मंदिरों के दर्शन कर मूल मंदिर में भक्तामर का पाठ किया। बाद में स्वल्पाहार कर मीटिंग शुरू हुई। मंगलाचरण डां शान्ति जैन मणि ,आभा व कान्ता गंगवाल ने किया व बाद में भगवान के चित्र का अनावरण व दीपप्रज्जवलन कर 2024 के लिए ग्रुप के अध्यक्ष का चुनाव हुआ और डां.एम.एल जैन ''मणि'' को पुनःसर्वसम्मति से अध्यक्ष चुन लिया गया।इसके बाद डां मणि ने सचिव पद पर सुरेश गंगवाल व कोषाध्यक्ष पद पर पारसमल जैन लुहाडिया का मनोनयन किया। शेष कार्यकारिणी की भी घोषणा की।सभी मनोनीत सदस्यों व अध्यक्ष का माल्यार्पणकर स्वागत किया गया। मीटिंग में 2023वर्ष के आय-व्यय के लेखों को प्रस्तुत कर अनुमोदन किया गया। इसके बाद आचार्य विद्यासागर जी की समाधी उपरांत विनयांजली कार्यक्रम हुआ,सभी सदस्यों ने 9बार नमोकार मंत्र का जाप कर आचार्यश्री को विनियांजली प्रस्तुत की। इस अवसर पर आचार्यश्री पर प्रश्नमंच हुआ,और सही प्रश्नों का उत्तर देने वालों को ग्रुप ने पुरस्कृत किया। धार्मिक आहुजी, व ताश का मनोरंजक गेम सचिव महोदय ने खिलाया।

रिलायंस ने शुरू की 'वंतारा' पहल, पशुओं के बचाव, देखभाल, संरक्षण और पुनर्वास के लिए होगा काम

जामनगर. शाबाश इंडिया

रिलायंस इंडस्ट्रीज और रिलायंस फाउंडेशन ने सोमवार को ''वंतारा (जंगल का सितारा)'' कार्यक्रम शुरू करने की घोषणा की। वंतारा कार्यक्रम भारत और विदेशों में घायल, दुर्व्यवहार और खतरे में पड़े जानवरों के बचाव, उपचार, देखभाल और पुनर्वास पर ध्यान केंद्रित करने के लिए एक व्यापक पहल है। गुजरात में रिलायंस के जामनगर रिफाइनरी कॉम्प्लेक्स के ग्रीन बेल्ट के भीतर 3,000 एकड़ में फैले, वंतारा का लक्ष्य विश्व स्तर पर संरक्षण प्रयासों में अग्रणी योगदानकताओं में से एक बनना है। जानवरों की देखभाल और कल्याण में अग्रणी विशेषज्ञों के साथ काम करके, वंतारा ने 3,000 एकड़ के विशाल स्थान को जंगल जैसे वातावरण में बदल दिया है, जो विभिन्न प्रजातियों के पनपने के लिए प्राकृतिक, समृद्ध और हरे-भरे आवास की नकल करता है। इस अवसर पर बोलते हुए, अनंत अंबानी ने कहा, ''बहुत कम उम्र में मेरे लिए जो जुनून के रूप में शुरू हुआ, वह अब वंतारा और हमारी शानदार और प्रतिबद्ध टीम के साथ एक मिशन बन गया है। हम भारत की गंभीर रूप से लुप्तप्राय प्रजातियों की रक्षा पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। हम महत्वपूर्ण आवासों को बहाल करना और प्रजातियों के लिए तत्काल खतरों का समाधान करना चाहते हैं और वंतारा को एक अग्रणी संरक्षण कार्यक्रम के रूप में स्थापित करना चाहते हैं। हमें खुशी है कि हमारे प्रयासों को भारत और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिली है।'' अधिक जानकारी देते हुए अनंत अंबानी ने बताया की, ''भारत और दुनिया के कुछ शीर्ष प्राणीशास्त्र और चिकित्सा विशेषज्ञ हमारे मिशन में शामिल हुए हैं और हमें सरकारी निकायों, अनुसंधान और शैक्षणिक संस्थानों का सक्रिय सहयोग और मार्गदर्शन प्राप्त करने का सौभाग्य मिला है। वंतारा का लक्ष्य प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण और पशु देखभाल बुनियादी ढांचे के मामले में भारत के सभी 150 से अधिक चिड़ियाघरों को बेहतर बनाने के लिए भारतीय चिड़ियाघर प्राधिकरण और अन्य संबंधित सरकारी संगठनों के साथ साझेदारी करना है। हमें उम्मीद है कि वंतारा विश्व स्तर पर आशा की किरण बनेगी और यह प्रदर्शित कर सकती है कि कैसे एक दूरदर्शी संस्थान वैश्विक जैव विविधता संरक्षण पहल में मदद कर सकता है।'' वंतारा, भारत में अपनी तरह की पहली पहल है, जिसे आरआईएल और रिलायंस फाउंडेशन के निदेशक मंडल के निदेशक अनंत अंबानी के उत्साही नेतृत्व में संकल्पित और जन्म दिया गया है। अंबानी जामनगर में रिलायंस के महत्वाकांक्षी नवीकरणीय ऊर्जा व्यवसाय का भी नेतृत्व कर रहे हैं, और उस क्षमता में, 2035 तक रिलायंस की 'नेट कार्बन जीरो' कंपनी बनने की यात्रा का नेतृत्व करने के लिए जिम्मेदार हैं। वंतारा का ध्यान अत्याधुनिक स्वास्थ्य देखभाल, अस्पतालों, अनुसंधान और शैक्षणिक केंद्रों सहित सर्वोत्तम श्रेणी के पशु संरक्षण और देखभाल प्रथाओं को बनाने पर केंद्रित है। अपने कार्यक्रमों के भीतर, वंतारा उन्नत अनुसंधान को एकीकृत करने और प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों और संगठनों जैसे इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर (आईयूसीएन) और वर्ल्ड वाइल्डलाइफ फंड फॉर नेचर (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) के साथ सहयोग पर भी ध्यान केंद्रित करता है। पिछले कुछ वर्षों में, कार्यक्रम ने 200 से अधिक हाथियों, और हजारों अन्य जानवरों, सरीसृपों और पक्षियों को असुरक्षित स्थितियों से बचाया है। इसने गैंडा, तेंदुआ और मगरमच्छ पुनर्वास सहित प्रमुख प्रजातियों में पहल की है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ करेगा आचार्य सुनील सागर संघ की आगवानी

आरएसएस द्वारा भगवान महावीर 2550 वें निर्वाण वर्ष के तहत प्रथम कड़ी कामां से जुड़ेगी, सर्व समाज द्वारा आचार्य संघ की आरती पाद प्रक्षालन कर कराया जाएगा नगर प्रवेश

कामां. शाबाश इंडिया। पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव की घड़ियां नजदीक आ चुकी है कामा नगरी में प्रवेश के लिए सात द्वारों का निर्माण किया गया है। आचार्य सुनील सागर द्वार, विजय मती द्वार, आदिनाथ द्वार, शांतिनाथ द्वार,धर्मनाथ द्वार, चंद्र प्रभु द्वार, सन्मति सागर द्वार से कामां नगरी में होगा पंचकल्याणक हेतु अतिथियों का आगमन जैन समाज के साथ साथ जैनेत्तर समाजों के द्वारा भी पूर्ण सहयोग किया जाएगा। व्यापार महासंघ के पदाधिकारियों ने पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में पूर्ण सहयोग के साथ-साथ नगर के मुख्य अधिकारियों को आमंत्रण पत्रिका का वितरण किया तो वहीं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने भी अचार्य संघ का भाव भीना आगमन करने का निर्णय लिया। कामा के अख्खरवाड़ी स्थित भगत सिंह तिराहे पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा आचार्य संघ कीआगवानी की जाएगी। भगवान महावीर का 2550 वें निर्वाण महोत्सव को सम्पूर्ण भारत मे मनाने की घोषणा विज्ञान भवन दिल्ली में सरसंघचालक मोहन भागवत द्वारा की गई थी तो उसी श्रंखला में प्रथम कड़ी को जोड़ते हुए कामां में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा 2550 वें भगवान महावीर वर्ष में आचार्य सुनील सागर महाराज की भव्य आगवानी होगी। बड़े-बड़े फ्लेक्स बोर्डो,तोरण द्वारो से कामां नगरी को पाटा जा रहा है तो सभी समाज आचार्य संघ की आगवानी को तैयार खड़ा दिखाई दे रहा है। प्रतिष्ठा महोत्सव के महामंत्री संजय जैन बड़जात्या ने बताया कि 28 फरवरी को रथ यात्रा पर पैराशूट से एवं एक मार्च को जन्मभिषेक शोभायात्रा पर हेलीकॉप्टर द्वारा नगर में पुष्प दृष्टि की जाएगी कामां की जनता में लग रहे कार्यक्रम के विशाल डॉम को देखकर कोतुहल नजर दिखाई दे रहा है।

महावीर इंटरनेशनल एसोसिएशन जयपुर द्वारा रक्तदान शिविर व चिकित्सा शिविर का हुआ आयोजन

शिविर में 150 यूनिट रक्त एकत्र हुआ

जयपुर. शाबाश इंडिया। रविवार, 25 फरवरी को महावीर इंटरनेशनल भवन, जनता कॉलोनी जयपुर में श्री जैन श्वेतांबर खरतरगच्छ संघ जयपुर के तत्वावधान में खरतरगच्छ युवा परिषद ,खरतरगच्छ महिला परिषद एवं महावीर इंटरनेशनल जयपुर द्वारा एक विशाल रक्तदान एवं चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया ।यह रक्तदान शिविर की श्रृंखला गत बीस वर्षों से अनवरत चलती आ रही है।इस रक्तदान शिविर में लोगों ने बढ़ चढ कर उत्साह के साथ रक्तदान किया तथा नारायणा के चिकित्सकों द्वारा निःशुल्क परामर्श का भी लाभ उठाया। इस आयोजन का लाभ दीपक, प्रकाश बैद परिवार ने लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि न्यायाधिपति जैनेंद्र कुमार रांका (सेवानिवृत न्यायाधीश राजस्थान हाईकोर्ट) एवं विशिष्ट अतिथि राजू अग्रवाल (मंगोडी वाला) ज्वैलर्स एसोसिएशन सहमंत्री, बीजेपी संयोजक(अप्रवासी भारतीय) रहे।आयोजन का कार्यभार खरतरगच्छ युवा परिषद के अध्यक्ष सचिन गोलेछा और मंत्री सचिन बेगानी तथा खरतरगच्छ महिला परिषद की अध्यक्ष शशि डागा तथा मंत्री श्रद्धा मेहता ने सम्भाला। शिविर के संयोजक अभिषेक राक्यान, दीपक छाजेड़, सौरभ महमवाल, सुनीत मुनोत, अमित गोलेछा, नमन बांठिया, अनुजा गोलेछा, माला बेंगानी, पिंकी बेंगानी, चेतना छाजेड थे जिनहोने अपनी सेवाएं दी। महावीर इंटरनेशनल एसोसिएशन के अध्यक्ष सुभाष गोलेछा एवं मंत्री अनिल वैद्य का सहयोग अति सराहनीय रहा । आयोजन में 150 यूनिट रक्त एकत्र किया गया।

आचार्य विद्यासागर साक्षात भगवान का रूप थेः जिनेश जैन

सर्व समुदाय विन्यांजली सभा में श्रद्धासुमन अर्पित

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

मुरैना। गुरुदेव आचार्य विद्यासागर महाराज इस धरा पर संत के रूप में साक्षात भगवान का रूप थे ।इसी लिए लोग उन्हें आचार्य भगवन और वर्तमान के वर्धमान की तरह पूजते थे। पूज्य श्री को सर्व समुदाय के लोग श्रद्धा भाव के साथ नमन करते थे, उनके उपदेश सुनते थे, उनसे आशीर्वाद प्राप्त किया करते थे। ऐसे महापुरुष, महानसंत संसार में यदा कदा ही अवतरित होते हैं । उन्होंने सत्य, अहिंसा, मानवसेवा, गौसेवा, शाकाहार का उपदेश देते हुए अपना अंतिम लक्ष्य सल्लेख्ना समाधि को प्राप्त कर मोक्ष मार्ग प्रशस्त किया है । उक्त उद्गार अम्बाह नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष जिनेश जैन ने आचार्यश्री की विन्यांजली सभा में व्यक्त किए।मुरेना विधायक दिनेश गुर्जर ने आचार्य श्री को विन्यांजली देते हुए कहा कि ऐसे संत जिन्होंने अपना पूरा जीवन मानवकल्याण के लिए समर्पित कर दिया और हम सभी को जीवदया एवम परोपकार का संदेश दिया, उनका अचानक हमारे बीच से चले जाना हम सभी के लिए दुखमय है । इसी संदर्भ में बाल ब्रह्मचारी संजय भैयाजी ने बताया कि आचार्य श्री ने कभी भी अपनी चर्या से समझोता नहीं किया । अंतिम समय में भी वह पूर्णतः सजग थे । वर्तमान में आचार्य श्री के द्वारा दीक्षित 400 से अधिक साधु संत, साध्वीयां पूज्य श्री के सिद्धांतों का अक्षरः पालन करने हेतु संकल्पित हैं। ज्ञातव्य हो कि जैन संत आचार्य श्री विद्यासागर महाराज ने 18 फरवरी 2024 को जैन तीर्थ चंद्रगिरी डोगरगढ़ (छत्तीसगढ़) में सल्लेखना समाधि लेकर ब्रह्मलीन हो गए । पूज्य आचार्य श्री को श्रद्धा सुमन अर्पित करने वावत अग्रसेन पार्क मुरेना में सर्व समाज विनयांजलि सभा का आयोजन किया गया। विन्यांजली सभा में कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष विक्रमराज मुदगल, प्रदेश सचिव मनीष उपाध्याय, भाजपा मंडल अध्यक्ष अनूप जैन, अतुल माहेश्वरी, एल के गुप्ता, टिकटौली के संरक्षक जगदीश चंद जैन, अध्यक्ष राजेंद्र भंडारी, नेमीचंद जैन, विजय जैन मंत्री, मुन्नी साहूला, द्वारिका प्रसाद एडवोकेट, करुणा जैन, समाजसेवी मनोज जैन, डी के जैन, पदमचंद जैन, महेन्द्रकुमार शास्त्री, चक्रेश शास्त्री, नवनीत शास्त्री, भारती जैन सहित अनेकों लोगों ने पूज्य श्री के व्यक्तित्व एवम् कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए। संत शिरोमणी आचार्य श्री विद्यासागर महाराज की विन्यांजली सभा में सभी समुदाय के लोग मौजूद थे । सभा का संचालन जैन संस्कृत महाविद्यालय के छात्रावास अधीक्षक चक्रेश शास्त्री ने किया ।

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी के प्रवचन से

- छाछ में मक्खन हो तो कोई बाधा नहीं, लेकिन मक्खन में छाछ नहीं होना चाहिए।
- कोयले में हीरा निकल जाये तो कोई बाधा नहीं, लेकिन हीरे में कोयला नहीं निकलना चाहिए।
- नाव पानी में रहे तो कोई बाधा नहीं, लेकिन पानी नाव में नहीं आना चाहिए।
- राजनीति में धर्म हो तो कोई बाधा नहीं, लेकिन धर्म में राजनीति नहीं होना चाहिए।

सच है - मनुष्य जीवन दुष्कर है। मानवता और महानता इससे भी दुष्कर है। स्वयं के अस्तित्व व जीवन की सारी सुख, सुविधाओं को दांव पर लगाकर ही जीवन की महानता को प्राप्त किया जा सकता है। सिर्फ मनुष्य होना पर्याप्त नहीं है, जीवन में मनुष्यता भी आनी चाहिए। आज मानव तो बहुत है, लेकिन उनमे मानवता देखने को नहीं मिल रही है। तभी तो देश में, भय, आतंक की स्थितियाँ बनी हुई है। मानव महान है। उसके पास बुद्धि का वैभव और प्रज्ञा की पैनी धार है। वह कोयलों की खान में से हीरे निकाल सकता है। मिट्टी और राख का सोना बना सकता है। मनुष्य कलाकार है, लेकिन उसे अपनी कला का प्रयोग मिट्टी के घरोंदे बनाने तक ही सीमित नहीं रखना चाहिए; बल्कि आत्मा को परमात्मा भी बनाना चाहिए।

-नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद

निवाई में आचार्य विवेक सागर महाराज का गाजे बाजे से हुआ मंगल प्रवेश

विमल जोला. शाबाश इंडिया

निवाई। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में आचार्य श्री विवेक सागर महाराज संघ का सोमवार को गाजे बाजे के साथ निवाई में मंगल प्रवेश हुआ। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला ने बताया कि आचार्य श्री विवेक सागर महाराज अजमेर चातुर्मास करने के पश्चात मालपुरा पीपलू बगड़ी रजवास होते हुए निवाई पहुंचे जहां नवरत्न टोंग्या, ओमप्रकाश कठमाणा, ज्ञानचंद पहाड़िया, विमल बड़ागांव, राकेश यूपी, राधेश्याम मित्तल, चंद्रेश जैन, महेश मोठूका, विष्णु बोहरा, अजीत काला, महावीर प्रसाद छाबड़ा, शशी सोगानी, सुनीता बड़ागांव ,शकुंतला छाबड़ा, शशी सांवलिया, अशोक सिरस, राजेश जैन, संजय सोगानी सहितअनेक गणमान्य लोगों ने पाद प्रक्षालन एवं आरती उतारकर अगुवानी की। जौंला ने बताया कि आचार्य श्री पहाड़ी चुंगी नाका से गाजे बाजे से रवाना होकर वैयरहाउस बस स्टैंड अहिंसा सर्किल भगवान महावीर मार्ग होते हुए अग्रवाल जैन मंदिर पहुंचे जहां मंदिर कमेटी ने स्वागत किया।

संघी जी जैन मंदिर में विनयांजलि एवं गुणानुवाद सभा का आयोजन

अश्रुपूरित एवं अवरूद्ध कंठों से सुनाए आचार्यश्री विद्यासागर के सानिध्य में बिताए अविस्मरणीय क्षण

जयपुर. शाबाश इंडिया। सांगानेर स्थित श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मन्दिर संघीजी में संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज के संलेखना पूर्वक समाधि-मरण पर विनयांजलि एवं गुणानुवाद सभा आयोजित हुई। इस मौके पर समाजबंधूओं ने आचार्यश्री के सानिध्य में बिताये अविस्मरणीय क्षणों को अश्रुपूरित एवं अवरूद्ध कंठों से सभा में सुनाया। इस अवसर पर मन्दिर संघीजी के मानदमंत्री नरेन्द्र पाण्ड्या बताया कि हम रामटेक से गोंदिया विहार में आचार्यश्री के साथ विहार में चले और जो चर्चा आचार्यश्री से हुई वह आज भी हमारे दिलो दिमाग में जीवंत है, उनके चरण छूने से जो उर्जा प्राप्त हुई वह अकल्पनीय है। मन्दिरजी के अध्यक्ष महावीर जैन ने बताया कि जब हम सांगानेर में बालिका छात्रावास खोलने का आशीर्वाद लेने आचार्य श्री के पास गए तो इतने गूढ और ज्ञानवर्धक सुझाव आचार्यश्री ने दिये जिनके अनुसार ही हम आज सांगानेर में बालिका छात्रावास का संचालन करने में सक्षम हुये।

युग श्रेष्ठा भारत रत्न से विभूषित आचार्य श्री विद्यासागर महा मुनिराज को विनयांजलि

जयपुर. शाबाश इंडिया। जन जन के संत विश्व वंदनीय प्रातः स्मरणीय हम सबके भगवान आचार्य श्री विद्यासागर जी की उत्कृष्ट समाधि होने पर विनय एवं श्रद्धा भाव सम्पूर्ण विश्व में रविवार को एक साथ श्रद्धांजलि दी गई श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर हीरा पथ मानसरोवर में 1 बजे से 2.30 बजे तक विनयांजलि सभा की गई सर्वप्रथम मंगलाचरण किया गया। अध्यक्ष सुभाष गंगवाल, बाल ब्रह्मचारी रूपेश भैया, राकेश जैन, पदम गंगवाल, सुरेन्द्र कासलीवाल, पंकज छाबड़ा, पार्षद पारस गंगवाल, तारा मणि गोधा, शकुन्तला अजमेरा आदि गणमान्य श्रेष्ठीयों के द्वारा आचार्य श्री का गुणानुवाद किया गया।

वर्तमान के वर्धमान थे आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज: देवेंद्र सखबार

अजय जैन. शाबाश इंडिया

अम्बाह। अत्यंत कठोर व्रताचरण तथा संपूर्ण वैराग्याचरण करने वाले आचार्य विद्यासागर जी महाराज हम सबके आध्यात्मिक मार्गदर्शन तो थे ही इसके साथ ही वह राष्ट्र की बड़ी पूंजी थे इन शब्दों के साथ विधायक देवेंद्र सखवार ने आचार्य विद्यासागर जी महाराज के प्रति विनयांजलि अर्पित की इस सभा का आयोजन परेड स्थित जैन मंदिर में किया गया जिसमें नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती अंजली जैन विशेष रूप से मौजूद थी आयोजन को संबोधित करते हुए विश्रेय श्री माताजी ने कहा कि जल की तरह निर्मल हृदय के स्वामी संत शिरोमणी आचार्य विद्यासागर जी एक महान तपस्वी, अहिंसा, करुणा, दया के प्रणेता और प्रखर कवि थे, हमेशा प्रसन्न चित्त रहकर मुस्कराते रहना उनकी खास पहचान थी। जो भी उनके संपर्क में आता था वो उनके चुम्बकीय व्यक्तित्व से प्रभावित होकर अपनी ज्ञान पिपासा शांत करने बार बार उनकी ओर खींचा चला आता था, आचार्य श्री ने अपने सभी अनुयायियों और भक्तों के मन में धर्म और अध्यात्म की ज्योत जला दी थी। पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष जिनेश जैन ने कहा कि कन्नड़ भाषा में शिक्षण ग्रहण करने के बाद भी आचार्य श्री ने जैन परम्परा अनुसार पैदल भारत भ्रमण के दौरान अंग्रेजी, हिन्दी, संस्कृत और बंगला जैसी कई भाषाओं का ज्ञान अर्जित करके उन्हीं विभिन्न भाषाओं में साहित्य रचना का कार्य भी किया था, निरंजना शतक, भावना शतक, परिषह जया शतक, सुनीति शतक और श्रमण शतक सहित उनकी अनेकों रचनाओं का आज भी व्यापक रूप से अध्ययन और सम्मान किया जाता है। उनके द्वारा लिपिबद्ध 'मूकमाटी' महाकाव्य सर्वाधिक चर्चित है जो कई संस्थानों के हिंदी पोस्ट ग्रेजुएशन प्रोग्राम में पढ़ाया जाता है। साहित्यकार महेश जैन

विकल ने कहा कि भगवान महावीर के सिद्धांतों पर चलकर प्राणी मात्र के प्रति करुणा से भरे आचार्य श्री विद्यासागर जी ने पशुधन बचाने, गाय को राष्ट्रीय प्राणी घोषित करने, मांस निर्यात बंद करने आदि गतिविधियों को लेकर अनेक उल्लेखनीय कार्य किए थे, उन्होंने शिक्षा और सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी. उनके प्रयासों से स्कूलों, अस्पतालों और सामुदायिक केंद्रों की स्थापना हुई, जिससे अनगिनत व्यक्तियों के जीवन में बदलाव आया और उनका उत्थान हुआ. कई गौशालाएं, स्वाध्याय शालाएं, औषधालय, आदि विद्यासागर महाराज जी की प्रेरणा और आशीर्वाद से स्थापित किए गए है। नरेश जैन गुरु ने कहा कि आचार्यश्री द्वारा पशु मांस निर्यात के विरोध में जनजागरण अभियान भी चलाया गया था तथा अमरकंटक में 'सर्वोदय तीर्थ' नाम से एक विकलांग निःशुल्क सहायता केंद्र अब भी चल रहा है। महेश चंद जैन एमपीईबी एवं विमल जैन राजू ने कहा कि आचार्य श्री विद्यासागर महाराज का ना तो कोई बैंक खाता था और न ही कोई ट्रस्ट था, वह अपने शरीर पर भी कोई वस्त्र नहीं पहनते थे उन्होंने आजीवन चीनी, नमक, चटाई (बिछौना), हरी सब्जी, फल, अंग्रेजी दवाई, दूध, दही, सूखे मेवे, तेल, का त्याग किया था। उनका जीवन यापन सिर्फ सीमित ग्रास और सीमित अंजुली जल, वह भी 24 घण्टे में एक बार लेने से होता था। सभी मौसमों और ऋतुओं में वह सिर्फ तख्ते पर बिना किसी बिछावट और ओढ़ने के किसी साधन के एक करवट में शयन किया करते थे। प्रकाश चंद जैन ओपी जैन एवं विजय जैन बैंक वालों ने कहा कि अनासक्त महायोगी, वर्तमान के वर्धमान, परमपूज्य आचार्य श्री ने इस घरती पर अपना समय पूर्ण हुआ जानकर चेतन अवस्था में ही आचार्य पद का त्याग करते हुए 3 दिन के उपवास का प्रण लिया था और अखंड मौन धारण कर डोंगरगढ़ के चंद्रगिरी में रात्रि 02:35 बजे समाधि ली। राकेश जैन भंडारी, विमल जैन भंडारी ने कहा कि आचार्य श्री इस युग के महानतम संत थे जिन्होंने जैनत्व को कहकर नहीं करके दिखाया ऐसे विश्ववंदनीय जन जन के संत आचार्य श्री के प्राणोत्सर्ग का समाचार सुनकर केवल जैन समुदाय ही नहीं बल्कि सारी दुनिया स्तब्ध रह गई, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट पर लिखा था कि आचार्य श्री 108 विद्यासागर महाराज के अनगिनत भक्त हैं। आने वाली पीढ़ियां उन्हें समाज में उनके अमूल्य योगदान के लिए याद रखेंगी। आध्यात्मिक जागृति के उनके प्रयासों, गरीबी उन्मूलन, स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा और अन्य कार्यों के लिए उन्हें याद रखा जाएगा। कार्यक्रम का आचार्य विद्यासागर महाराज की आरती के साथ समापन किया गया।

निः शुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित, 514 मरीजों ने उठाया फायदा

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। शहर में समाज सेवा का पर्याय महावीर इंटरनेशनल रॉयल ब्यावर द्वारा आज विनोद नगर स्थित जैन जवाहर भवन में विशाल मल्टी स्पेसलिटी निः शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर संयोजक दिलीप दक, रवि बोहरा,अमित बाबेल एवं प्रदीप मकाना ने जानकारी दी कि शिविर में श्री राम हॉस्पिटल जोधपुर के प्रसिद्ध लेप्रोस्कोपिक जनरल सर्जन डा.दिवाकर बंसल,कान नाक गला रोग विशेषज्ञ डा.दयाल विश्नोई मुत्र पथरी एवं प्रोस्टेट रोग विशेषज्ञ डा.जितेन्द्र चौहान,हृदय रोग विशेषज्ञ डा.अम्बर भटनागर तथा हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ डा.ओमप्रकाश चौधरी ने मानव सेवार्थ निः स्वार्थ भाव से अपनी सेवाए प्रदान की । सचिव रुपेश कोठारी, एवं कोषाध्यक्ष अभिषेक नाहटा के अनुसार शिविर में 324 मरीजो ने परामर्श का लाभ लिया तथा 47 मरीजो की ब्लड शुगर,65 मरीजो की ई.सी.जी.,एवं 78 मरीजो की बी.पी. की जांचे भी निःशुल्क करके लाभ पहुचाया गया । सहसचिव योगेन्द्र मेहता, मुकेश गांग, पुष्पेन्द्र चोधरी ने बताया कि शिविर में सुबह 9 बजे से ही मरीजो का जमघट लग गया था। नवलेश बुरड, राहुल बाबेल, बाबूलाल आच्छा, नरेन्द्र सुराना, सुरेंन्द्र रांका ने जानकारी दी कि शिविर का पूर्व जोन चेयरमैन ज्ञानचन्द कोठारी, गवर्निंग कौंसिल सदस्य धनपत श्री श्री माल, राजेश रांका, दीपचन्द कोहरी, सुरेंन्द्र कोठारी, सुरेश रांका, स्टेट बैंक इन्डिया

के प्रबन्धक मनीष आदि ने अवलोकन किया एवं महावीर इंटरनेशनल रॉयल के मानव सेवार्थ प्रयासों की सराहना की। मोहित कांठेड, रोहित मुथा, आशीष कोठारी, राजेश सुराना,शालीन मेहता ने बताया की शिविर समापन पर आगुन्तक डॉक्टर्स एवं उनके स्टाफ का निः स्वार्थ सेवाओ हेतु तथा जैन मित्र मण्डल के अध्यक्ष विनय रांका,महामंत्री उत्तम लोढ़ा,समता युवा संघ अध्यक्ष प्रवीण बडोला का भवन उपलब्ध कराने हेतु तथा रौनक श्री श्री माल का सेवाओ हेतु माला,शाल,एवं स्मृति चिन्ह भेट कर बहुमान किया गया ।अध्यक्ष अशोक पालडेचा ने महावीर इंटरनेशनल रॉयल के द्वारा 11 माह के कम समय में किये गये सेवा कार्यो पर प्रकश डालते हुए आगामी कार्य योजना की भी जानकारी दी ! तथा शिविर के आयोजन में प्रत्यक्ष एवं परोक्ष सहयोगी जानो ,प्रिंट एवं सोशल मिडिया का आभार भी ज्ञापित किया। शिविर के सफल आयोजन में संध्या बोहरा, कान्ता पालडेचा, रूपा कोठारी, हेमलता नाहर, पुनम मकाना,टीना रांका, रीना दक, विनय डोसी, अभिषेक नाहटा, पंकज सखलेचा, दिलीप बी.भण्डारी, योगेन्द्र मेहता, संदीप खीचा, अमित बाबेल, नवलेश बुरड, पुष्पेन्द्र चोधरी, नरेन्द्र सुराना, राहुल बाबेल, बाबूलाल आच्छा, पंकज दक, अशोक रांका, मुकेश गांग, सुरेंन्द्र रांका, पदम बिनायकिया, नरेन्द्र गेलडा, गौतम रांका, मोहित कांठेड, मनोज रांका, रवि बोहरा, सिद्धार्थ पिपाडा, प्रदीप मकाना, आशीष कोठारी, राजेश सुराना, कमल पगारिया, रोहित मुथा, शालीन मेहता आदि सदस्यों ने अपनी सेवाए प्रदान की।

आचार्य संत शिरोमणि 108 विद्यासागर जी विश्व में जैन समाज को उंचाई पर पहुंचने वाले आचार्य हैंः साहिल जैन

शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन समाज के सूर्य, पूरे विश्व में जैन समाज को उंचाई पर पहुंचने वाले आचार्य संत शिरोमणि 108 विद्यासागर जी महाराज के समाधिस्थ होने से हृदय द्रवित है। उन्होंने सम्पूर्ण जीवन समाज के उत्थान में लगाया, प्रतिभास्थली का निर्माण, जीव दया के लिए दयोदय महासंघ का गठन, हाथकरघा, पूर्ण आयु मुख्य माटी ग्रंथ को निर्माण समाज के प्रति प्रेम व जन-जन तक महावीर के संदेश को पहुंचने वाले विश्व में शांति व अहिंसा शाकाहार के विचारों को सशक्त करने को समर्पित रहा। मुझे प्रथम बार 2013 में आचार्य श्री का दर्शन प्राप्त हुआ मुझे लगता है कि मेरा जीवन धन्य हुआ और मैं जीव दया के प्रति समर्पित हुआ पर मानव सेवा और धर्म को जन-जन तक पहुंचाने के लिए मैं कार्य शुरू किया, आचार्य श्री का पूरा जीवन धर्म को रास्ता दिखाता है एवं सबसे गर्भ की बात यह है कि मेरे जीवन में जब जीव दया का गुरुदेव प्रमाण सागर जी महाराज के आशीर्वाद आचार्य श्री की प्रेरणा से दयोदय महासंघ का गठन हुआ और भारत बांग्लादेश सीमा का नाम आता है तो गुरुवर प्रमाण सागर जी ने सर्वप्रथम मेरा नाम लिया और पूरा घाट चंद्र मोड में 3500 गोवंश का संरक्षण करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ मैने वहां एक चमत्कार देखा जो 6 महीने से कैसे चल रहा था आचार्य श्री के आशीर्वाद और निर्देशन से वह कार्य में सुनील भैया के माध्यम से गुरुवर तक पहुंचा और गुरुवर ने आशीर्वाद प्रदान किया दिनांक 7 सितंबर 2020 आपका कार्य जल्द ही पूर्ण हो गया वह कार्य तीन दिन में संपन्न हो गया व तस्करी कम हो गया गुरुदेव के आशीर्वाद और प्रेरणा से मुझे 7 सितंबर 2022 को आचार्य श्री के आशीर्वाद से शिवपुरी में दयोदय महासंघ राष्ट्रीय अधिवेशन द्वारा कार्यक्रम में मुझे सम्मानित भी किया गया। सबसे बड़ी बात तो यह है गुरुवर ने जो धरोहर का निर्माण किया उसको पूरा करना संरक्षक करना पूरे भारत के जैनी भाई का कर्तव्य है, हम भी समर्पित गुरुवार के चरणों में गुरुदेव अनमोल रतन है पूरे भारत की ऐसे गुरुवर के चरणों में मेरा कोटि-कोटि वंदन हे गुरुदेव आप हमारे बीच पर हो आपका आशीष हम पर सदा बना रहे ऐसी अनुपम कृपा करें.. मुझे बड़ी प्रशंसा है कि भारत सरकार द्वारा लोकसभा के अध्यक्ष ओम बिरला द्वारा एवं भारत सरकार के अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष इकबाल द्वारा पशुपालन मंत्री पशुरतम रूपल जी एवं असम के गवर्नर गुलाबचंद कटारिया जी एवं पश्चिम बंगाल के गवर्नर व आनंद बस द्वारा बंगाल के मुख्यमंत्री एवं पश्चिम बंगाल अल्पसंख्यक आयोग द्वारा इमरान हाशमी जंगीपुर के सांसद पश्चिम बंगाल भारतीय जनता पार्टी अध्यक्ष एवं सांसद सुकांतो मजूमदार द्वारा भावपूर्ण श्रद्धांजलि पत्र भेजा गया। आचार्यश्री के दर्शन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त करने का सुअवसर प्राप्त हुआ। वे मानवता के सच्चे सेवक थे। उनके प्रेरणात्मक शब्दों ने मानव सेवा के मेरे संकल्प को नई ऊर्जा और प्रतिबद्धता प्रदान की। उनका समाधिस्थ होना समाज के साथ मेरे लिए भी व्यक्तिगत क्षति है।

खाद्य व्यापारियों हेतु प्रशिक्षण शिविर हुआ आयोजित

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवंऔषधि नियंत्रण,राजस्थान के निदेशों में सौ दिवसीय कार्य योजना के तहत डॉक्टर ज्योत्सना रंगा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी अजमेर के निर्देशन में आज दिनांक 26.2.2024 को ब्यावर व्यापार संघ, ब्यावर एवं चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की फूड सेफ्टी टीम के संयुक्त तत्वावधान में राज्य सरकार द्वारा नामित ट्रेनर के द्वारा ब्यावर के लगभग 200 से ज्यादा किराना एवम्-मिठाई विक्रेता और अन्य खाद्य कारोबार कताओं को नरसिंह मंदिर परिसर में फोस्टैक ट्रेनिंग दी गई। व्यापारियों को बताया गया कि खाद्य कारोबार में खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम के नियमों के अनुसार खाद्य पदार्थों के भंडारण, रख रखाव एवम्-विक्रय हेतु किन- किन बातों का ध्यान रखना आवश्यक है। शिविर में खाद्य व्यापार संघ की ओर से संजय घीया ने भी व्यापारियों से नियमों की पालना करते हुए विभाग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार खाद्य कार्यभार करने की सलाह दी। खाद सुरक्षा अधिकारी अजय मोयल ने बताया कि खुला मसाला और खुला तेल नियमानुसार नहीं बेचा जा सकता।व्यापार संघ की ओर से अध्यक्ष संजय घीया खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुशील चोटवानी,केसरीनंदन शर्मा, अजय मोयल फोस्टैक ट्रेनर मेहराज व विनोद फुलवारी, प्रकाश कुंदनानी, जिनेंद्र शर्मा, गौरव सक्सेना, शैलेंद्र कुमावत, प्रवीण सिंघल व अन्य उपस्थित रहे।

क्षेत्रीय अधिवेशन में जैन मिलन सेंट्रल को मिले अनेकों पुरुस्कार

अशोकनगर. शाबाश इंडिया। रविवार को भारतीय जैन मिलन के क्षेत्र-12 का रजत जयंती वार्षिक क्षेत्रीय अधिवेशन जैन भवन में आयोजित किया गया। इसमें सर्वश्रेष्ठ शाखा का पुरस्कार जैन मिलन सेंट्रल अशोकनगर को प्राप्त हुआ एवं अध्यक्ष जितेंद्र जैन को सर्वश्रेष्ठ शाखा अध्यक्ष का पुरस्कार भी प्राप्त हुआ। इसी क्रम में सर्वश्रेष्ठ ड्रेस कोड एवं बैनर प्रतियोगिता मे विजयी होने पर सम्मानित किया गया ।व्यक्तिगत पुरुस्कारों के क्रम में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुभाष जैन कैंची ,संयुक्त मंत्री महेंन्द्र जैन एवं आंनद गांधी,राष्ट्रीय संयोजक प्रमोद जैन छाया, को भी सम्मानित किया गया। अधिवेशन में महिला जैन मिलन की वीरांगनाओ द्वारा बैंड वादन की प्रस्तुति भी दी गई जिसके लिए सभी वीरांगनाओं को सम्मानित किया गया तथा सर्वश्रेष्ठ शाखा सम्मान प्रदान किया गया।

जैन तीर्थ नैनागिरि में आयोजित विद्या विनयांजलि सभा में आचार्यश्री को दी भावभीनी विनयांजलि और किया गुणानुवाद

न्यायमूर्ति, आईएएस, आईपीएस सहित अनेक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी हुए सम्मिलित

रत्नेश जैन रागी. शाबाश इंडिया

बकस्वाहा। राष्ट्रसंत, संत शिरोमणि पूज्य आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की तपस्थली श्री दिगंबर जैन सिद्धक्षेत्र नैनागिरि रेशंदीगिरि में आयोजित विनयांजलि सभा में आचार्यश्री को विनयांजलि प्रस्तुत करते समय हर आंख नम हो गई , श्रद्धालु भावविभोर हो गए । इस सभा में मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय की न्यायमूर्ति , जिला न्यायाधीश ,आईएएस ,आईपीएस व प्रदेश सरकार के प्रशासनिक अधिकारी अभियंता आदि विभिन्न विभागों के शताधिक अधिकारियों सहित जैन तीर्थ नैनागिरि समिति के पदाधिकारी व सदस्यों ने अपनी भावभीनी विनयांजलि समर्पित की तथा आचार्यश्री के चित्र के समक्ष ज्ञान ज्योति दीप प्रज्ज्वलित किये, सामुहिक पाठ किया। इस अवसर पर प्रातःकाल पारसनाथ विधान सहित विविध धार्मिक कार्यक्रम किए गए । दोपहर में पूज्य गणाचार्य श्री विराग सागर जी महाराज की परम शिष्या श्रमणी आर्यिका श्री विरम्याश्री माताजी तथा विसंयोजनाश्री माताजी ससंघ के सान्निध्य में आयोजित विनयांजलि सभा में माताजी द्वय के साथ ही न्यायमूर्ति श्रीमती विमला जी जैन, सुरेश जैन आईएएस (अध्यक्ष नैनागिरि ट्रस्ट कमेटी) आर के दिवाकर आईपीएस (सेनि डीजीपी) भोपाल, श्रीमती सारिका जैन मणी जैन आईएएस, विनोद कुमार डीएफओ, इंद्रजीत, अमिताभ मनया, नवनीत गोधा, विजय कुमार जैन बीएचईएल भोपाल, श्रीमती निधि जैन निदेशक सीएजी कार्यालय मुंबई तथा जैन तीर्थ नैनागिरि की ट्रस्ट कमेटी के मंत्री राजेश जैन रागी तथा पं. अशोक जैन बम्हौरी, प्राचार्य सुमतिप्रकाश आदि ने सशक्त आत्मबोध और लोकबोध के धनी आचार्यश्री के अवदान को अपनी भावनाओं के साथ स्मरण करते हुए अभिव्यक्त किया और उनके व्यक्तित्व व कृतित्व को आत्मसात करने की भावना व्यक्त की और ट्रस्ट कमेटी के अध्यक्ष व मंत्री ने आचार्यश्री का नैनागिरि तीर्थ से लगाव और वर्ष 1977 से 1987 के मध्य आध्यात्मिक समृद्धि,तप साधना के करीब सात सौ दिनों से अधिक अमृतकाल के विविध अवदानों, दुर्लभ संस्मरण को बताया।

जैन सुमति कला मंडल लार ने आचार्य विद्यासागर महाराज को समर्पित की विनयांजलि

लार, टीकमगढ़. शाबाश इंडिया

आध्यात्मिक संत शिरोमणि आचार्य प्रवर 108 श्री विद्यासागर जी महामुनिराज के समता भाव से संलेखना पूर्वक समाधि मरण उपरांत पूरे देश के साथ साथ जैन सुमति कला मंडल लार ने अंतराष्ट्रीय विनयांजलि सभा का आयोजन मंदिर जी प्रांगण में किया गया।विनयांजलि समर्पित कर आचार्य श्री के चित्र के समक्ष भक्तांबर की 108 दीप प्रजावलित किये गये।जैन सुमति कला मंडल के पुष्पेंद्र जैन द्वारा आचार्य श्री के जीवन को प्रेरणा देने वाला बदलते हुए धर्म के पद पर चलने के लिए उनके सिद्धांतों की सराहना की एवं विजय विसरद ने बताया आचार्य श्री त्याग वा साधनामय जीवन को आत्महित के अनुरूप बतलाया। कार्यक्रम का संचालन विजय जैन द्वारा किया गया। आचार्य श्री के चरणों विनयांजलि समर्पित करने वालों मे पुष्पेंद्र जैन राजेश जैन नरेन्द्र जैन जितेन्द्र जैन राज जैन नमी जैन महेन्द्र जैन दिनेश जैन मयंक जैन सौरभ जैन कमलेश जैन गौरभ सिंघई निरंजन जैन चेतन सिंघई प्रमुख रहे।

जैन धर्म के छठें तीर्थंकर भगवान पदमप्रभू का मोक्ष कल्याणक बुधवार को

दिगम्बर जैन मंदिरों में चढ़ेगा निर्वाण लाडू

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन धर्म के छठें तीर्थंकर भगवान पदमप्रभू का मोक्ष कल्याणक दिवस बुधवार 28 फरवरी को भक्ति भाव से मनाया जावेगा। इस मौके पर शहर के दिगम्बर जैन मंदिरों में विशेष आयोजन किये जाएंगे तथा मोक्ष का प्रतीक निर्वाण लाडू चढ़ाया जाएगा। अभादिजैन परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष विनोद जैन 'कोटखावदा' ने बताया कि इस मौके पर प्रातः भगवान के अभिषेक, शांतिधारा के बाद पूजा अर्चना की जावेगी। पूजा के दौरान मोक्ष कल्याणक अर्घ्य चढ़ाया जावेगा तत्पश्चात निर्वाण काण्ड भाषा का उच्चारण करते हुए मोक्ष का प्रतीक निर्वाण लाडू चढ़ाया जाएगा। जैन के मुताबिक श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पदमपुरा (बाड़ा) में अध्यक्ष सुधीर जैन व मंत्री हेमन्त सोगाणी के नेतृत्व में प्रातः 7.15 बजे से मूल नायक पद्मप्रभ भगवान की प्रतिमा के विशेष अभिषेक, 9 बजे निर्वाण लाडू तथा 10.15 बजे विशाल खड्गासन प्रतिमा के अति भव्य पंचामृत महामस्तकाभिषेक होंगे। अभादिजैन परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि श्री 1008 पद्मप्रभ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र नेवटा में मूलनायक श्री 1008 पद्मप्रभ भगवान के स्वर्ण कलश अभिषेक, शांतिधारा के पश्चात प्रातः 8:30 बजे निर्वाण लाडू चढ़ाया जाएगा। जैन के मुताबिक आगरा रोड स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र चूलगिरी, लालजी सांड का रास्ता स्थित श्री दिगम्बर जैन मंदिर पहाड़ियान, तारों की कूंट पर सूर्य नगर के श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर,सेठी कालोनी मंदिर, सांगानेर संघीजी मंदिर सहित शहर के कई दिगम्बर जैन मंदिरों में भगवान पदमप्रभू के मोक्ष कल्याणक दिवस पर विशेष आयोजन किए जाएंगे।